–दुश्मन

करीम–कादर आपस में वार्तारत् थे । करीम बोला देखो वी.खुमार का रघुबाबू को गाली दे दिये । अफसर क्या हो गया कि कंस जैसा व्यवहार करने लगा । रघुबाबू तो वैसे ही नेक इंसान है,कर्म को पूजा समझते है ।

कादर–वी कुमार का नैतिक,मानसिक,बौद्धिक पतन हो गया है । पागल होते जा रहा है । खुद विभागीय के काम के साथ न्याय नही करता है। समय के पाबन्द बेचारे रघुबाबू को बेवकूफ,कामचोर,छोटेलोग और भी बुरे–बुरे शब्द बक रहा था । कैसा आदमी है नेक कर्मचारी को अपमानित करता है ।

कादर–ऐसे लोग नेक कर्मचारियों के ही नहीं देश, संस्था और समाज के भी दुश्मन होते है ।

रघ्जुबाबू–क्या गुफतगू हो रही है कादरभाई कुछ नही साहब आप जैसे कदावर लोग चलते है तो वी.कुमार जैसे अफसर जलते है ।

रघुबाबू–क्या.....? नन्दलाल भारती.....01.03.2011